भूतपूर्व मंत्री स्व. शंकररावजी कोल्हे साहब का जीवन परिचय

शंकररावजी गेणूजी कोल्हे
बी.एस्सी. (कृषि), पुणे विश्वविद्यालय पुणे (सन 1951)
पत्ता : कोल्हे बस्ती,ग्राम–येसगांव
ता.कोपरगांव जि.अहमदनगर
जन्म तिथी : 14 मार्च 1929

विविध प्रशासकीय पद विवरण

- विधायक – ६ बार विधायक, सदस्य विधानसभा, महाराष्ट्र राज्य
- कॅबीनेट मंत्री – महसुल, परिवहन, कृषि फलोद्यान, सहकार, राज्य उत्पादन शुल्क,महाराष्ट्र
- हंगामी सभापती – विधानसभा, महाराष्ट्र राज्य
- अध्यक्ष – इंडियन शुगर एक्झिम कार्पोरेशन नई दिल्ली,
- उपाध्यक्ष – नॅशनल फेडेरेशन, नई दिल्ली,
- मॅनेजिंग ट्रस्टी – वसंतदादा शुगर इन्स्टीटयूट, पुणे,
- अध्यक्ष – महाराष्ट्र राज्य सहकारी साखर संघ, मुंबई
- उपाध्यक्ष – श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्थ व्यवस्था, शिर्डी
- उपाध्यक्ष – मॅनेजिंग कौन्सिल सदस्य, रयत शिक्षण संस्था, सातारा
- अध्यक्ष – नॅशनल हेवी इंजिनियरिंग, पुणे.

स्थापित सहकार संस्थाएं

- वसंतदादा शुगर इन्स्टीटयूट पुणे (व्ही. एस. आय.)
- नॅशनल हेवी इंजिनियरींग लि.पुणे
- संजीवनी सहकारी शुगर मिल एवं विविध केमिकल प्रकल्प.
- महाराष्ट्र सहकारी मुद्रणालय, पुणे.
- गोदावरी खोरे सहकारी दुध संघ, कोपरगांव
- कोपरगांव औद्योगिक वसाहत,
- कोपरगांव किसान सहकारी संघ
- यशवंत कुक्कुट सहकारी संस्था,
- साई संजीवनी सहकारी बँक,
- संजीवनी सहकार पतसंस्था,
- अमृत एवं सुवर्ण संजीवनी शुगरकेन संस्था,
- संजीवनी मत्स्य विकास सहकार संस्था,
- संजीवनी एज्युकेशन सोसायटी,
- संजीवनी एकलव्य आदिवासी आश्रमशाला,
- संजीवनी प्रि. कॅडेट ट्रेनिंग सेंटर

प्राप्त पुरस्कार

- सहकाररत्न (इफको नई दिल्ली –2006),
- जीवन गौरव (शुगर टेक्नॉलॉजिस्ट असोसिएशन,नई दिल्ली–2013),
- आर्यभूषण (महाराष्ट्र सहकारी मुद्रणालय, पुणे–2003),
- जीवन गौरव (सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय –2007),

- आदर्श रयत सेवक (रयत शिक्षण संस्था, सातारा- 2012)

उपलब्धियां उल्लेखनीय कार्य

- सन 1974 - 75 इस आर्थिक वर्ष में जिनीव्हा में शुगर निर्यात महामंडल के अध्यक्ष के रुप में भारत का प्रतिनिधित्व किया, उससे भारत देश को 450 करोड रुपयों का आर्थिक लाभ हुआ ।
- किसान कर्ज पर व्याज दर कटौती के हेतु भारतीय रिझर्व्ह बँक, मुंबई के सामने लाखों किसानों के साथ आंदोलन किया । परिणाम स्वरुप देश के सभी किसानों के कर्ज पर आधा प्रतिशत ब्याज की छूट मिली ।
- अल्पभूधारक किसानों के अधिकार हेतू सत्याग्रह करके अहमदनगर के विसापूर कारागार में ३ माह की कारावास की सजा भोगी । परिणामत: कोपरगांव तहसिल के हजारों अल्पभूधारक उनकी जमिनें पुन: प्राप्त हुई ।
- मुकने, आलंदी, कडवा, वाघाड, काश्यपी, गोदावरी, वालदेवी, भाम-भावली आदि बांध गोदावरी नदी पर बनाकर खेती को पानी उपलब्ध करवाया।
- महाराष्ट्र राज्य में प्रथमत: कोपरगांव तहसिल के हिंगनी,मंजूर और सडे आदि गावों में गोदावरी नदी पर कोल्हापूर पध्दति का तटबंध बनाकर हजारौ हेक्टर भूमि को पानी उपलब्ध करवाया।
- महाराष्ट्र के किल्लारी तथा गुजरात के भूकंपग्रस्तों के लिए मदत साहित्य भेजने का कार्य किया। कोपरगांव के कुपोषित बच्चों को पौष्टिक आहार वितरित किया ।
- सन 2006 को गोदावरी नदी में आई बाढ से प्रभावित 27 गावों के 22821 बाढ प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर स्थलांतरित करके उन्हें भोजन, वस्तुएं तथा चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई । 149 बाढग्रस्त लोगों को हेलिकॉप्टर से बचाया गया ।
- कोरोना के महामारी में 60 ग्राम पंचायत के 45 हजार परिवारों को तथा संजीवनी शुगर मिल के 10 हजार सभासद को सॅनिटाईझर और मास्क का वितरण करके कोपरगांव तहसील के सभी गांवों में मुफ्त किटनाशकों का छिडकाव किया। 400 बेड का संजिवनी कोविड केअर सेंटर तथा 50 व्हेंटीलेटर बेड का डेडीकेटेड हेल्थ सेंटर अंतर्गत सुविधा निर्माण करके कोरोनाग्रस्त मरीज पर मुफ्त इलाज के साथ-साथ उन्हें दो वक्त चाय,नाश्ता,खाना,आवश्यक सभी वस्तुएं दी गई ।
- कोपरगांव तालुके में 15 सालों से मुफ्त आँख परिक्षण शिबिर का आयोजन किया जा रहा है। तालुका क्षेत्र के 89 गावों के गरीब जनता के लिए आँख परिक्षण तथा मुफ्त शस्त्रक्रिया की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस शिबीर का लाभ हजारों गरिब लोगों को हुआ है।
- दुध उत्पादक किसानों को उचित भाव मिलने के हेतु से सहजानंदनगर यहाँ दूध उत्पादक किसानों का सम्मेलन भराया गया था । उसके उपरांत दुध उत्पादक किसानों को शाश्वत भाव मिलाकर दिया ।